भारतीय वन्यजीव संस्थान
Wildlife Institute of India

प्रेस नोट

संगोष्ठी के बारे में

भारतीय वन्यजीव संस्थान (भा.व.सं.) में 28 अप्रैल 2023 को संस्थान में 'प्रधानमंत्री के मन की बात संदर्भ में वन्यजीव संरक्षण के संदर्भ में व्यक्तिगत लेखकों द्वारा लेख' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम की 100वीं कड़ी 30 अप्रैल 2023 को प्रसारित की जानी है।

मन की बात के पिछले एपिसोड्स पर पीएम के संबोधन से प्रेरित होकर, भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में उठाए गए मुद्दों पर कुछ पेपर्स प्रकाशित किए हैं।

भा.व.सं. के वैज्ञानिकों ने इन शोधपत्रों को (i) असम में टर्टल और स्थलीय कछुए और उनका संरक्षण, अभिजीत दास, जेसन डी जेरार्ड और बितुपन बौरुआ द्वारा (मन की बात संदर्भ: मन की बात का 74वां एपिसोड दिनांक 28 फरवरी 2021) (ii) पवित्र पर्वतों की गोरैया - उत्तराखंड हिमालय में गोरैया का व्यापक अध्ययन - रेणु बाला, अमरजीत कौर, आर. सुरेश कुमार और धनंजय मोहन द्वारा (मन की बात संदर्भ: 30 अप्रैल 2017 को प्रसारित 31वां एपिसोड), (iii) जलज - नदियाँ और लोग अर्थ गंगा के लक्ष्यों को महसूस करने के लिए जुड़ते हैं - रुचि बडोला, दीपिका डोगरा, सौरव गावन और सैयद आइनुल हुसैन द्वारा (मन की बात संदर्भ: मन की बात, एपिसोड 96 दिनांक 25 दिसंबर 2022), (iv) अरुणाचल प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण और इसकी चुनौतियाँ - प्रियंका जस्टा, सौरव चौधरी, सल्वाडोर लिंगदोह द्वारा (मन की बात संदर्भ: मन की बात, एपिसोड 85: 29 जनवरी 2022, और एपिसोड 96: 25 दिसंबर 2022) और (v) फॉरेंसिक रिसर्च के माध्यम से वन्यजीव अपराध से निपटना: भारतीय वन्यजीव संस्थान में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयास - संदीप कुमार गुप्ता और सम्राट मोंडोल द्वारा (मन की बात संदर्भ : 85वां एपिसोड दिनांक 30 जनवरी 2022).

इन पेपर्स को संस्थान की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है। इसका यूआरएल है:
https://wii.gov.in/pm_mkb_2023, and the pdf URL is
https://wii.gov.in/images//images/documents/images_2023/PM_Mann_Ki_Baat_2023.pdf.

वैज्ञानिकों ने उपरोक्त मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए भविष्य में भी ऐसा करने की इच्छा जताई।

विशेषज्ञ उद्धरण:

भारतीय वन्यजीव संस्थान के निदेशक श्री वीरेंद्र तिवारी ने कहा, "मन की बात के कई एपिसोड में माननीय प्रधान मंत्री ने वन्यजीव संरक्षण पर अपने विचार साझा किए हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान, जागरूकता बढ़ाने और संरक्षण में अपनी पहुंच जारी रखने के लिए, अपने जनादेश पर काम करना जारी रखेगा।"

भारतीय वन्यजीव संस्थान के वन्यजीव विज्ञान संकाय की डीन डॉ रुचि बडोला ने कहा, "संस्थान के कई संकाय और शोधकर्ता विभिन्न योजनाओं के माध्यम से संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। संरक्षण में समुदायों को शामिल करना महत्वपूर्ण है।"

भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक डॉ सल्वाडोर लिंगदोह ने कहा, "संस्थान माननीय प्रधान मंत्री जी के मन की बात से जुड़ा हुआ महसूस करता है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों ने संगोष्ठी के दौरान इस लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम के संबंध में अपने काम और प्रयासों को साझा किया।"

भा.व.सं. के बारे में

1982 में देहरादून में स्थापित, भारतीय वन्यजीव संस्थान, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का एक स्वायत्त संगठन, एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित संस्थान है जो वन्यजीव अनुसंधान में प्रशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और सलाह्कारिता सेवाएँ प्रदान करता है और प्रबंधन, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई, क्षेत्र में भारत से परे पदचिह्नों के साथ । भा.व.सं. का उद्देश्य वन्यजीव विज्ञान के विकास का पोषण करना और संगठन के सांस्कृतिक और सामाजिक आर्थिक परिवेश के अनुरूप संरक्षण में इसके अनुप्रयोग को बढ़ावा देना है। इसका जनादेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षण, शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से क्षमता निर्माण करना है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के कार्यक्रम क्षेत्र आधारित हैं और बड़े क्षेत्रीय परिदृश्यों के जैविक, सामाजिक आर्थिक और मानवीय पहलुओं के एकीकरण की तलाश करते हैं। संस्थान सक्रिय रूप से अनुसंधान में लगा हुआ है, जो जैव विविधता से संबंधित मुद्दों पर देश भर में संरक्षण में मदद करने के लिए वैज्ञानिक जानकारी का प्राथमिक स्रोत है |

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

डॉ सल्वाडोर लिंगदोह, भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून, भारत

ईमेल: salvador@wii.gov.in फोन: +91-135-2646281